

शिवाजी सुशासन के पक्षधर थे - राज्यपाल

लखनऊ: 18 जून, 2016

कर्मचारी सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा परिषद लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज के साम्राज्योत्सव पर आयोजित हिन्दवी स्वराज्य दिवस समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक, केन्द्रीय मानव संसाधन विकास राज्यमंत्री प्रो० (डा००) राम शंकर कठेरिया, महंत देव्या गिरी, कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम का आरम्भ दीप प्रज्वलन व छत्रपति शिवाजी के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ।

राज्यपाल ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि छत्रपति शिवाजी अद्वितीय, पराक्रमी और जनहित के राजा थे। महिलाओं के प्रति सम्मान शिवाजी की विशेषता थी। शिवाजी सुशासन के पक्षधर थे। सुशासन के लिए शिवाजी ने अपने पुत्र को भी जेल भेज दिया था। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर हमें सुशासन पर चलने का संकल्प लेना चाहिए।

श्री नाईक ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज में सबको साथ लेकर चलने की क्षमता थी। उनकी नौसेना व तोपखाना के प्रमुख, विशेष दूत, निजी अंगरक्षक व सेना में बड़ी संख्या में मुस्लिम सरदार थे। शिवाजी की युद्ध नीति और कूटनीति देश के लिए आदर्श के रूप में है। उन्होंने कहा कि शिवाजी वास्तव में आदर्श राजा व सर्वश्रेष्ठ योद्धा थे।

केन्द्रीय राज्यमंत्री प्रो० (डा००) राम शंकर कठेरिया ने कहा कि हिन्दुस्तान की विराट संस्कृति को महापुरुषों ने जीवित रखा। महापुरुषों को जाति, क्षेत्र और धर्म के बंधन में नहीं बांधा जा सकता। देश के लिए समर्पित महापुरुष का जीवन शक्ति और प्रेरणा देता है। शिवाजी देश के स्वाभिमान लिए समर्पित रहे। उन्होंने कहा कि ऐसे महापुरुषों से प्रेरणा प्राप्त करके देश की प्रगति के लिए सकारात्मक पहल करने की जरूरत है।

महंत देव्या गिरी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शिवाजी के जीवन पर उनकी माता जीजाबाई की छाप थी। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से नयी पीढ़ी को जोड़े जिससे उन्हें देश के गौरवशाली इतिहास की जानकारी हो।

इस अवसर पर छत्रपति शिवाजी के जीवन वृत्त पर आधारित के पत्रिका का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय प्रो० एस०बी० निमसे ने दिया।

अंजुम/ललित/राजभवन (210/13)





